संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -277 बुधवार ,07 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का अड़तीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

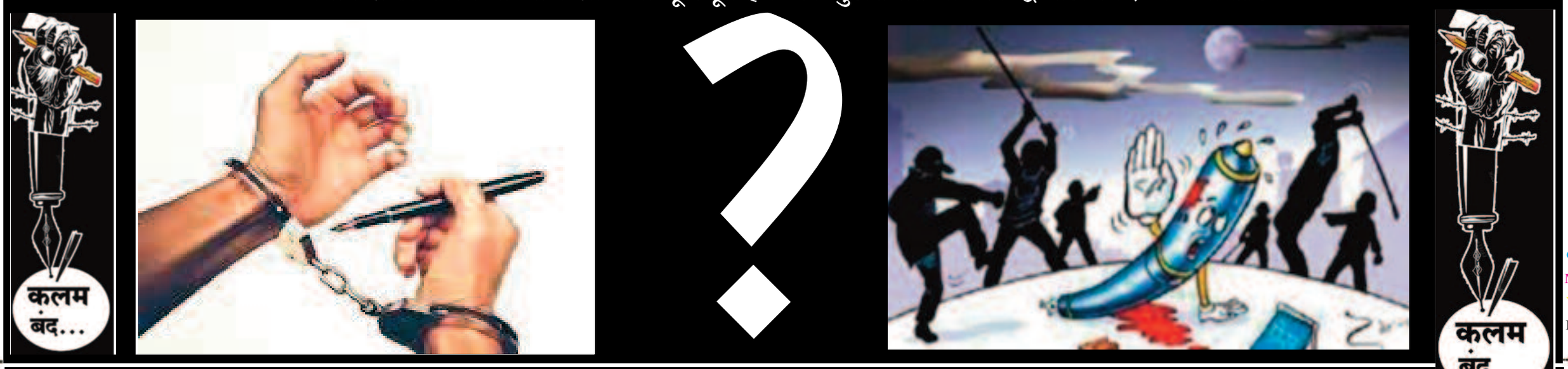

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

आखिर कलम बंद करने के लिए एक अखबार को किसने किया मजबूर...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,06 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा, तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है...सरकार किसी की भी हो...उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है... पिछली सरकार में भी सच लिखने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया था, उस समय भी परेशानियों का सामना संपादक सहित पत्रकारों को अखबार के करना पड़ा था,लेकिन उस समय परेशानियों का सामना मुकदमों से करना पड़ा था। कई मामले कानूनी दर्ज होने के तौर पर करना पड़ा था। वहीं इस बार आर्थिक क्षति के तौर पर अखबार के संपादक को नुकसान झेलना पड़ा है। भारत के लोकतंत्र में चौथा स्थान पत्रकारिता का आता है जिसे निष्पक्षता के साथ करना अत्यंत जरूरी है, ताकि देश में संतुलन बना रहे। जो काम दैनिक घटती-घटना बखूबी करता भी है, सत्ता परिवर्तन हुआ और नई सत्ता आई पर कमियों को दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित करना शुरू किया,जब पुरानी सरकार की कमियों को प्रकाशित किया गया था तब जनता ने नई सरकार चुनने का फैसला लिया और जब आज नई सरकार जनता के हित के लिए चुनी गई तो आज यह सरकार भी जनता के हित के लिए काम नहीं कर रही है। जिन कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई और उन्होंने अपनी कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया जिसका निर्देश उन्होंने मौखिक दिया गया जो न्यायोचित नहीं था और जो शासन की योजनाएं थी उस विज्ञापन को रोका गया जो पैसा भी शासन का था ना कि किसी मंत्री या अधिकारी के घर का, विज्ञापन रोकने में भी इतनी तत्परता दिखाई गई की नियमों को भी दरकिनार किया गया, इसके बाद भी दैनिक घटती-घटना कमियों की खबर प्रकाशित करता रहा, और लोकतंत्र को दबाया ना जाए इसके लिए दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके। दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया... ताकि जहां पर प्रेस ऑफ फ्रीडम का स्थान भारत में 169 वां है जो काफी शर्मनाक है और इस और देश के सर्वोच्च न्यायालय व देश के प्रधानमंत्री को सोचना चाहिए, और यह भी सोचना चाहिए कि जिस देश में प्रेस ऑफ फ्रीडम की स्थिति अच्छी है वहां पर उस देश की भी स्थिति अच्छी है। लोकतंत्र पर दबाव बनाने के लिए प्रदेश के अखबार के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही सहित शासकीय विज्ञापन की रोक कहीं ना कहीं लोकतंत्र को कुचलना भी लोगों की आवाज को दबाने का ही प्रयास जैसा है, दैनिक घटती -घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे पर यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके। कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया,बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया,पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदना सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है क्योंकि जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया। अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई। जो स्वास्थ्य मंत्री का विपक्ष में रहते हुए बड़ा नाम था वहीं स्वास्थ्य मंत्री को सत्ता मिलते ही उस नाम को सरे बाजार नीलाम कर लिया और वह भी सिर्फ अपने विवादित कर्मचारी की वजह से यहां तक की संघ को भी उन्होंने नहीं छोड़ा। इस लेख के माध्यम से हम यह भी जानना चाहेंगे की क्या कलम बंद अभियान चलाकर एक अखबार ने गलत किया या फिर पूरे देश के लोकतंत्र को बचाने का प्रयास किया इस पर आपकी

बांड डॉक्टरों की नियम विरूद्ध नियुक्ति कर वाहवाही लूट रहे स्वास्थ्य मंत्री

» बिना काउंसलिंग किये दे दी गई 535 डॉक्टरों को नियुक्ति...

» 150 डॉक्टरों की नियुक्ति की सूची मंत्री ने भेजी थी सूत्रों का दावा...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर, 06 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। हरेली त्योहार के दिन प्रदेश भर के विभिन्न शासकीय चिकित्सालयों में बांड डॉक्टरो की नियुक्ति की गई है... 535 डॉक्टरों की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है लेकिन नियुक्तियां नियम विरूद्ध तरीके से की गई है। बिना काउंसलिंग नियुक्ति मिलने से डॉक्टर भी हैरान है...साथ ही इसमें अनेक प्रकार की विसंगतियों की बातें सामने आ रही हैं। इसके उलट प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल नियम विरूद्ध नियुक्ति कर वाहवाही लूट रहे हैं... नियुक्तियों के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर एक बार फिर प्रश्न खड़ा हो गया है...। सूत्रों का दावा है कि स्वास्थ्य मंत्री ने लगभग 150 डॉक्टरों की नियुक्ति की सूची बंगले से भेजी थी शेष बचे डॉक्टरों की नियुक्ति विभाग प्रमुख द्वारा

की गई। समझ से परे है... प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नियम कानून को ताक पर रखकर काम क्यों किया जा रहा है...

देर से पोस्टिंग वह भी नियम विरूद्ध

बतलाया जाता है कि 31 मार्च को इंटर्नशीप पूरी कर मेडिकल छात्र बांड पोस्टिंग का इंतजार कर रहे थे, एक तो उन्हें पोस्टिंग भी देर से दी गई वह भी नियम विरूद्ध तरीक से। तीन दिवस पहले रविवार को प्रदेश भर में 535 डॉक्टरों को बांड पोस्टिंग दी गई है,लेकिन विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह नियम विरूद्ध किया गया है। सबसे पहले काउंसलिंग किया जाना था जिसके बाद नियुक्ति दिया जाता है। स्वास्थ्य विभाग इससे पहले हर साल काउंसलिंग करता रहा है। जिसमें यह होता है कि एमबीबीएस में प्राप्तांक के आधार पर मेरिट अनुसार अस्पतालों में पोस्टिंग दी जाती है। 31 मार्च को इंटर्नशीप पूरी करने के बाद मेडिकल छात्र काउंसलिंग का इंतजार कर रहे थे लेकिन उन्हे सीधे पोस्टिंग आर्डर थमा दिया गया।

आर्डर के बाद दिख रही अनेक विसंगतियां

रविवार को डॉक्टरों को बांड पोस्टिंग दी गई है,स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नियम को ताक पर रखकर नियुक्तियां कराई गई है और वाहवाही लूटी जा रही है लेकिन आदेश जारी होने के बाद कई कमियों की बातें भी सामने आ रही है। बतलाया जाता है कि मेडिकल कॉलेज में ये पद स्वीकृत नही है, मानदेय 2017 के हिसाब से दिया जाना है जबकि पिछले साल मानदेय बढाने की घोषणा की गई थी। सूत्रों ने बतलाया कि नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद सोमवार को राजधानी स्थित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में छात्र ज्वाईनिंग के लिए पहुंचे थे लेकिन पद ना होने के कारण ज्वाईनिंग नही दी गई। अनेक छात्रों को प्रदेश के 10 मेडिकल कॉलेज में पोस्टिंग दी गई है,जहां इन्हे जूनियर रेसीडेंट के रूप में ज्वाईनिंग दी जाएगी।

20 दिन की छुट्टी मिलेगी

आदेश के अनुसार एक यह भी विसंगति देखने मे मिल रही है कि बांड पोस्टिंग डॉक्टरो को 20 दिन की छुट्टी मिलेगी जबकि गत वर्ष छुट्टी बढ़ाकर 30 दिन किया जा चुका है। अक्टूबर 2023 में संविदा डॉक्टरो का मानदेय बढ़ाया जा चुका है,लेकिन इस बार जारी आदेश में 2017 के तहत कम मानदेय ही दिया जाएगा। 2017 के नियम अनुसार सामान्य क्षेत्रों के अस्पतालों के लिए 45 हजार दूरस्थ क्षेत्र के लिए 55 हजार मानदेय दिया जाता है। जबकि गत वर्ष इस मानदेय को बढाकर क्रमशः 57 हजार एवं 69 हजार किया जा चुका है।

क्या...डॉक्टरों की नियुक्ति से सुधर जाएगी स्वास्थ्य सुविधा...?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल बगैर काउंसलिंग के बांड डॉक्टरों की नियुक्ति कर वाहवाही लूट रहे हैं...लेकिन क्या डॉक्टरों की नियुक्ति से ही सारी स्वास्थ्य सुविधा पटरी पर आ जाएगी ...यह एक बड़ा सवाल है...। प्रदेश भर के शासकीय चिकित्सालयों की क्या दुर्दशा है यह किसी से छिपी नहीं है। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल सरगुजा संभाग में ही 100 डॉक्टरों की नियुक्ति का ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन पिछले 8 महीने में उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने भर्राशाही की मिशाल पेश की है। प्रदेश का कोई ऐसा अस्पताल नहीं जो कि आदर्श रूप में पहचान रखता हो। दुर्भाग्यजनक तो यह भी है कि खुद स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिला का अस्पताल वेंटिलेटर पर है। मंत्री द्वारा अपने गृह जिले में एक ऐसे चिकित्सक को सीएमएचओ बनाकर अभी तक रखा गया है जिसकी नियुक्ति कांग्रेस सरकार के समय की गई है। सीएमएचओ वर्षो से मनेंद्रगढ में ही पदस्थ हैं, उनके खिलाफ अनेक शिकायते हैं लेकिन मंत्री उनसे मित्रता निभा रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा का हाल राजधानी रायपुर से लेकर अन्य सभी जिलों मे बेहाल है,दूरस्थ अस्पतालों में तो स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। सुविधाओं के अभाव में मरीज मजबूरन निजी चिकित्सालय जा रहे हैं सवाल उठता है कि स्वास्थ्य विभाग शासकीय चिकित्सालयों में सुविधा बढोत्तरी की दिशा में कदम क्यों नही उठाता जबकि केन्द्र से एनएचएम के माध्यम से भारी भरकम राशि हर वर्ष प्राप्त हो रही है। सुविधा बढाये बिना स्वास्थ्य सुविधा में सुधार की गुंजाईश कम नजर आती है।

कलम बंद...का अड़तीसवां दिन

?

कलम बंद...का अड़तीसवां दिन

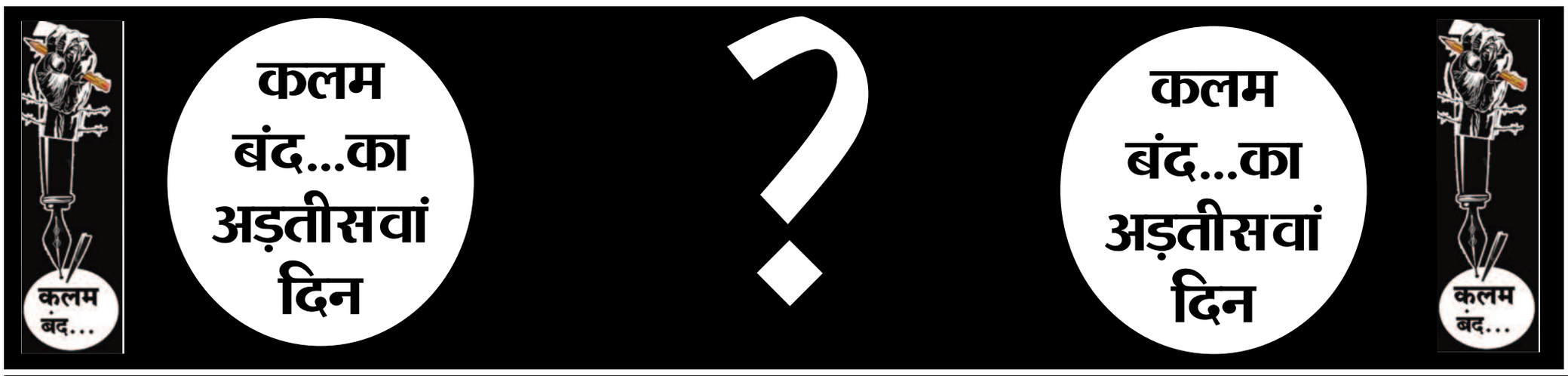

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

ओएसडी के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र की जांच कब कराएंगे स्वास्थ्य मंत्री...

» दिव्यांग सेवा संघ ने पिछले महीने जारी किया था सूची...

» स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम का नाम भी था शामिल...

» 21 अक्टूबर को राजधानी में रैली निकालेंगे दिव्यांग जन...

» सच लिखना अगर गुनाह है तो गुनाह ही सही स्वास्थ्य मंत्री जी...

» आप कब चलवाएंगे संपादक और पत्रकार पर बुलडोजर...

-रवि सिंह-

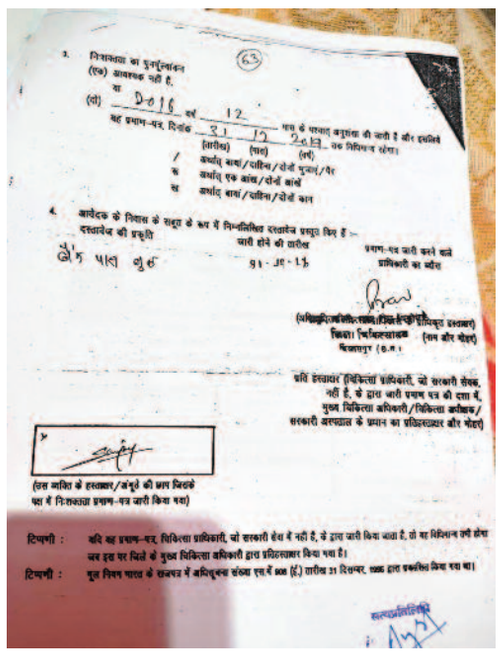

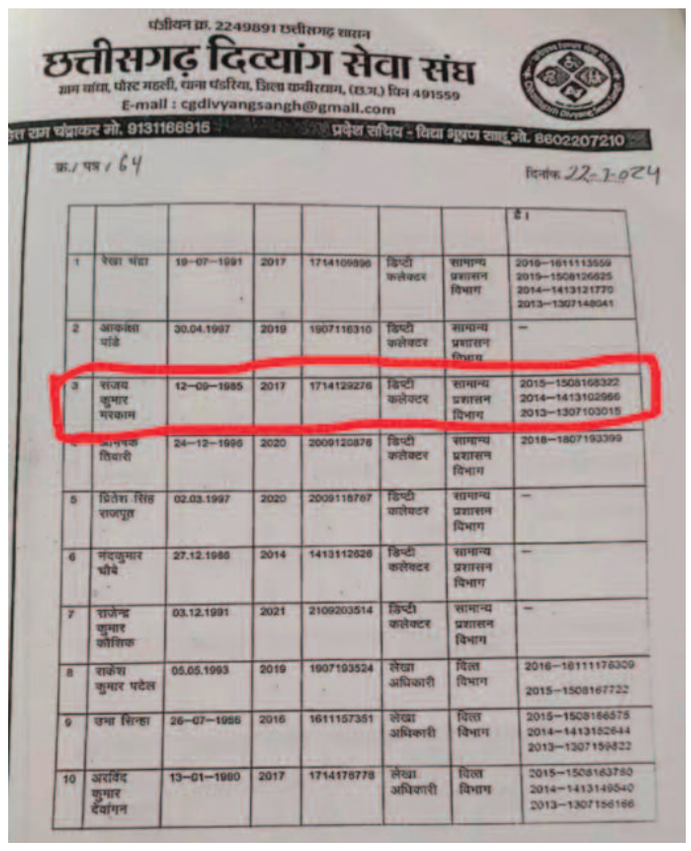

रायपुर/अंबिकापुर,06 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। इससे दुर्भाग्यजनक और क्या हो सकता है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने जिस ओएसडी यानि कि विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को अपने साथ रखा हो उसका दिव्यांग प्रमाण पत्र ही फर्जी हो। मंत्री के ओएसडी ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा की नौकरी पाई है,दिव्यांग सेवा संघ ने सूची जारी कर भी बताया है कि उक्त अधिकारी का प्रमाण-पत्र फर्जी है उसके बाद भी स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अभी तक ओएसडी बनाकर रखा जाना इस बात का प्रमाण है कि स्वास्थ्य मंत्री को ऐसे ही विवादित अफसर और स्टॉफ पसंद है। प्रदेश में फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर विभिन्न पदों पर नौकरी कर रहे अधिकारियों की सूची जारी करने के बाद उनकी बर्खास्तगी को लेकर दिव्यांग संघ द्वारा अब आगामी 21 अगस्त को राजधानी रायपुर में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है।

दिव्यांग संघ की मांग कब पूरी होगी...

दिव्यांग सेवा संघ द्वारा 21 अगस्त को राजधानी रायपुर में दिव्यांगजन स्वाभिमान मार्च का आयोजन किया गया है, जिसमें फर्जी दिव्यांग शासकीय कर्मियों को बर्खास्त करने की मांग भी की जा रही है। संघ द्वारा मैरीन ड्राईव से घड़ी चैक होते हुए मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च किया जाएगा। आश्चर्यजनक है कि दिव्यांग संघ द्वारा जानकारी दिये जाने के बाद भी संजय मरकाम को स्वास्थ्य मंत्री द्वारा ओएसडी बनाकर रखा गया है। प्रदेश का दिव्यांग संघ मंत्री से सवाल कर रहा है कि ऐसे अफसर को हटाकर कार्यवाही कब की जाएगी।

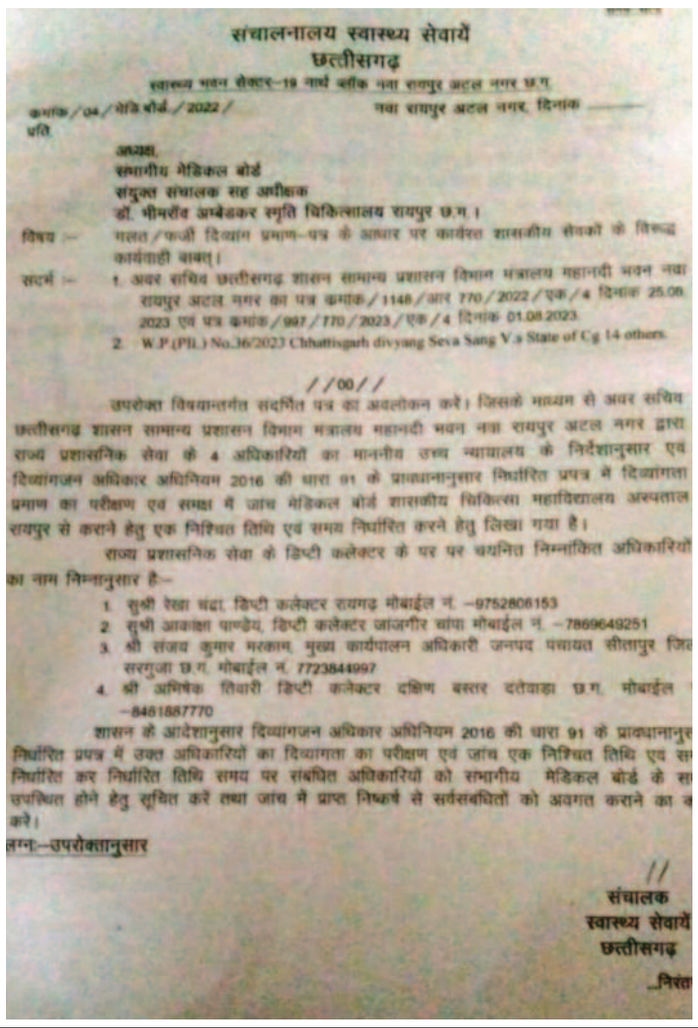

पंजीयन क्र. 2249891 छत्तीसगढ़ शासन
छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ
ग्राम सांवा, पोस्ट महली, थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम, (छ.ग.) पिन 491559
E-mail : cgdivyangsangh@gmail.com
...राम चंद्राकर मो. 9131166915 प्रदेश सचिव - विद्या भूषण साहू मो. 8602207210
क्र./पत्र/64 दिनांक 22-7-024

1	रेखा चंद्रा	19-07-1991	2017	1714109896	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	2016-1611113559 2015-1508126625 2014-1413121770 2013-1307148041
2	आकांक्षा पांडे	30.04.1997	2019	1907116310	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	-
3	संजय कुमार मरकाम	12-09-1985	2017	1714129276	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	2015-1508168322 2014-1413102966 2013-1307103015
[illegible]	अभिषेक तिवारी	24-12-1996	2020	2009120876	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	2018-1807193399
5	प्रितेश सिंह राजपूत	02.03.1997	2020	2009118787	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	-
6	नंदकुमार चौबे	27.12.1988	2014	1413112626	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	-
7	राजेन्द्र कुमार कौशिक	03.12.1991	2021	2109203514	डिप्टी कलेक्टर	सामान्य प्रशासन विभाग	-
8	राकेश कुमार पटेल	05.05.1993	2019	1907193524	लेखा अधिकारी	वित्त विभाग	2016-16111176309 2015-1508167722
9	उमा सिन्हा	26-07-1986	2016	1611157351	लेखा अधिकारी	वित्त विभाग	2015-1508166575 2014-1413152644 2013-1307159822
10	अरविंद कुमार देवांगन	13-01-1980	2017	1714176778	लेखा अधिकारी	वित्त विभाग	2015-1508163780 2014-1413149540 2013-1307156166

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन सेक्टर-19 नार्थ ब्लॉक नवा रायपुर अटल नगर छ.ग.

क्रमांक/04/मेडि.बोर्ड./2022/ नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक

प्रति
अध्यक्ष,
संभागीय मेडिकल बोर्ड
संयुक्त संचालक सह अधीक्षक
डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर छ.ग.।

विषय :- गलत/फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर कार्यरत शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्यवाही बाबत्।

संदर्भ :- 1. अवर सचिव छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्रमांक/1148/आर 770/2022/एक/4 दिनांक 25.08.2023 एवं पत्र क्रमांक/997/770/2023/एक/4 दिनांक 01.08.2023
2. W.P.(PIL) No.36/2023 Chhattisgarh divyang Seva Sang V.s State of Cg 14 others.

//00//

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। जिसके माध्यम से अवर सचिव छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारियों का माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 91 के प्रावधानानुसार निर्धारित प्रपत्र में दिव्यांगता प्रमाण का परीक्षण एवं समक्ष में जांच मेडिकल बोर्ड शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रायपुर से कराने हेतु एक निश्चित तिथि एवं समय निर्धारित करने हेतु लिखा गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित निम्नांकित अधिकारियों का नाम निम्नानुसार है-

1. सुश्री रेखा चंद्रा, डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ मोबाईल नं. -9752806153
2. सुश्री आकांक्षा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर जांजगीर चांपा मोबाईल नं. -7869649251
3. श्री संजय कुमार मरकाम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतापुर जिला सरगुजा छ.ग. मोबाईल नं. 7723844997
4. श्री अभिषेक तिवारी डिप्टी कलेक्टर दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा छ.ग. मोबाईल नं. -8461887770

शासन के आदेशानुसार दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 91 के प्रावधानानुसार निर्धारित प्रपत्र में उक्त अधिकारियों का दिव्यांगता का परीक्षण एवं जांच एक निश्चित तिथि एवं समय निर्धारित कर निर्धारित तिथि समय पर संबंधित अधिकारियों को संभागीय मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने हेतु सूचित करें तथा जांच में प्राप्त निष्कर्ष से सर्वसंबंधितों को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार

//
संचालक
स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

सच लिखने से क्यों रोकना चाहते हैं स्वास्थ्य मंत्री जी...

दैनिक घटती-घटना अखबार द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए हर समय सच प्रकाशित किया जाता है,सत्ता पर बैठे लोगो को व्याप्त बुराईयो को भी दिखलाने की भरपूर कोशिश की जाती है और इसी के तहत पिछले कुछ समय से अखबार द्वारा स्वास्थ्य विभाग की दुर्दशा से लेकर अन्य कमियों को प्रकाशित किया जा रहा था जो कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को स्वीकार नही था, उन्होने सच लिखने से रोकने की भरपूर कोशिश की। समझ से परे है कि जिस मीडिया ने आपको शिखर पर पहुचाने में मुख्य भूमिका निभाई उसे ही आपने जमीदोज करने का बीड़ा उठा लिया, मंत्री जी सनद रहे द्वेषपूर्वक ईमारत गिराई जा सकती है लेकिन कलम की ताकत नही रोकी जा सकती।

क्या ओएसडी का प्रमाण-पत्र फर्जी है इसलिए उसे बचाने भेजा था संपादक के घर...

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी संजय मरकाम राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं उन्होने दिव्यांग कोटे से नौकरी हासिल की है। जांच में पाया गया था कि उनका प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनाया गया है वे दिव्यांग नही है। श्रवण बाधित होने का प्रमाण पत्र उन्होने फर्जी तरीके से प्राप्त किया है जबकि काफी कम ध्वनि की आवाज को सुनने में भी वे पूरी तरीके से सक्षम हैं। ओएसडी का प्रमाण फर्जी है और उसके दस्तावेज भी अखबार के पास मौजूद हैं। उसी आधार पर अखबार द्वारा लगातार खबरों का प्रकाशन किया जा रहा है। जाहिर सी बात है आज नही तो कल ओएसडी को नौकरी से बर्खास्त करना पड़ेगा अखबार में छप रही खबरें ओएसडी की राह में रोड़ा बन रही थी संभवतः स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उसे बचाने के लिए ही आधी रात को शोक संतप्त संपादक के घर दबाव डालने भेजा गया था।

विहिप नेता से हुई है ओएसडी की साठगांठ...

बीते दिन घटती-घटना अखबार के संपादक के व्यावसायिक परिसर पर कार्यवाही के पूर्व ओएसडी को संपादक के घर भेजा गया था,मानवता को तार तार कर स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कार्यवाही कराया जाना इस बात का प्रमाण है कि उन्होने द्वेष पूर्वक कार्यवाही कराई। ओएसडी ने अपने साथ विश्व हिंदू परिषद के नेता अमित श्रीवास्तव को भी साथ लाया था। सूत्रो का कहना है कि हिदुत्व का चोला ओढकर विहिप नेता अमित श्रीवास्तव द्वारा अपना उल्लू सीधा किया जा रहा है। विहिप नेता द्वारा स्वास्थ्य विभाग में सप्लाई आदि का काम ओएसडी के साथ सेटिंग करके किया जा रहा है इसलिए उसे बचाने साठगांठ कर विहिप नेता द्वारा बचाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे नेताओं के कारनामों के कारण ही परिषद की साख गिर रही है,इस बारे में प्रदेश के नेताओं को भी संज्ञान लेने की जरूरत है।

पहले भूपेश बघेल के ओएसडी भाई ने बचाया अब स्वास्थ्य मंत्री बने कवच...

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी के रूप में कार्यरत डिप्टी कलेक्टर संजय मरकाम की पहचान भी एक विवादित अफसर के रूप में है। पहले जहां भी उनकी पदस्थापना रही वहां उन्होने भर्राशाही मचाकर रखी थी। फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाकर उन्होने वास्तविक दिव्यांगो का हक मारा है। इसकी शिकायत काफी पहले से की जा रही है जांच भी हुई। यह प्रमाणित भी हुआ कि प्रमाण पत्र फर्जी है,ओएसडी ने दिव्यांग ना होते हुए भी प्रमाण पत्र हासिल किया है। ओएसडी के एक भाई अरूण मरकाम जो कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी थे पहले उन्होने बचाव किया अब सरकार बदलने के बाद खुद स्वास्थ्य मंत्री ने अपने साथ रखा है इसलिए अब उनके द्वारा कवच बनकर बचाव किया जा रहा है,इससे प्रदेश के दिव्यांग जन भी काफी आहत हैं।

सच लिखने पर आप इतना आग बबूला हुए मंत्री जी यह समझ से परे...काश दुर्दशा सुधारते...

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री शुद्ध रूप से व्यापारिक व्यक्ति हैं, राईस मिल का उनका पुराना व्यवसाय है। व्यवसाय उनकी आदत में शुमार है इसलिए प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का भी व्यवसायीकरण नजर आता है। अखबार द्वारा सच लिखना स्वास्थ्य मंत्री को लगातार खटक रहा था,विभाग की कमियो के प्रकाशन से वे क्षुब्ध थे। वाहवाही पसंद मंत्री ने सच प्रकाशित होने से रोकने के लिए अखबार का विज्ञापन बंद कराने जैसी गंदी राजनीति का परिचय दिया इसके बाद भी मन नही भरा तो इस संपादक के व्यावसायिक परिसर सह प्रेस कार्यालय भवन पर बुलडोजर चलवा दिया। शोक संतप्त संपादक को हिंदू मान्यताओं को तोड़ने पर मजबूर कर स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात का परिचय दिया कि वे सत्ता के नशे में मस्त हैं और जो चाहे वो करके अखबार की आवाज को दबा लेंगे लेकिन उनकी यह गलतफहमी है। मंत्री जी काश आप आग बबूला होने की बजाए धैर्यपूर्वक खबरों पर संज्ञान लेकर विभाग की दुर्दशा,भर्राशाही को दूर करने की कोशिश करते।

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,06 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

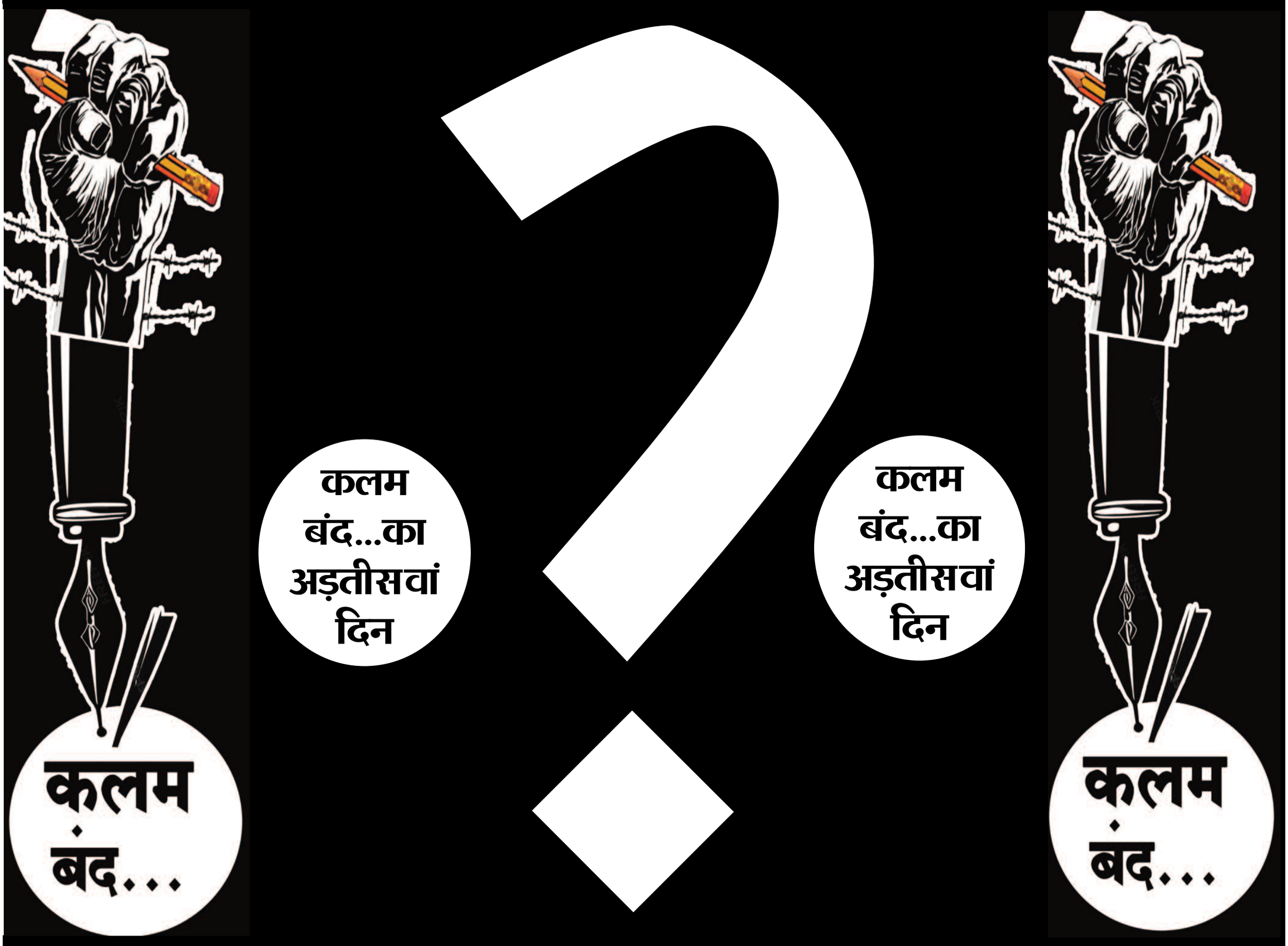

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,06 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

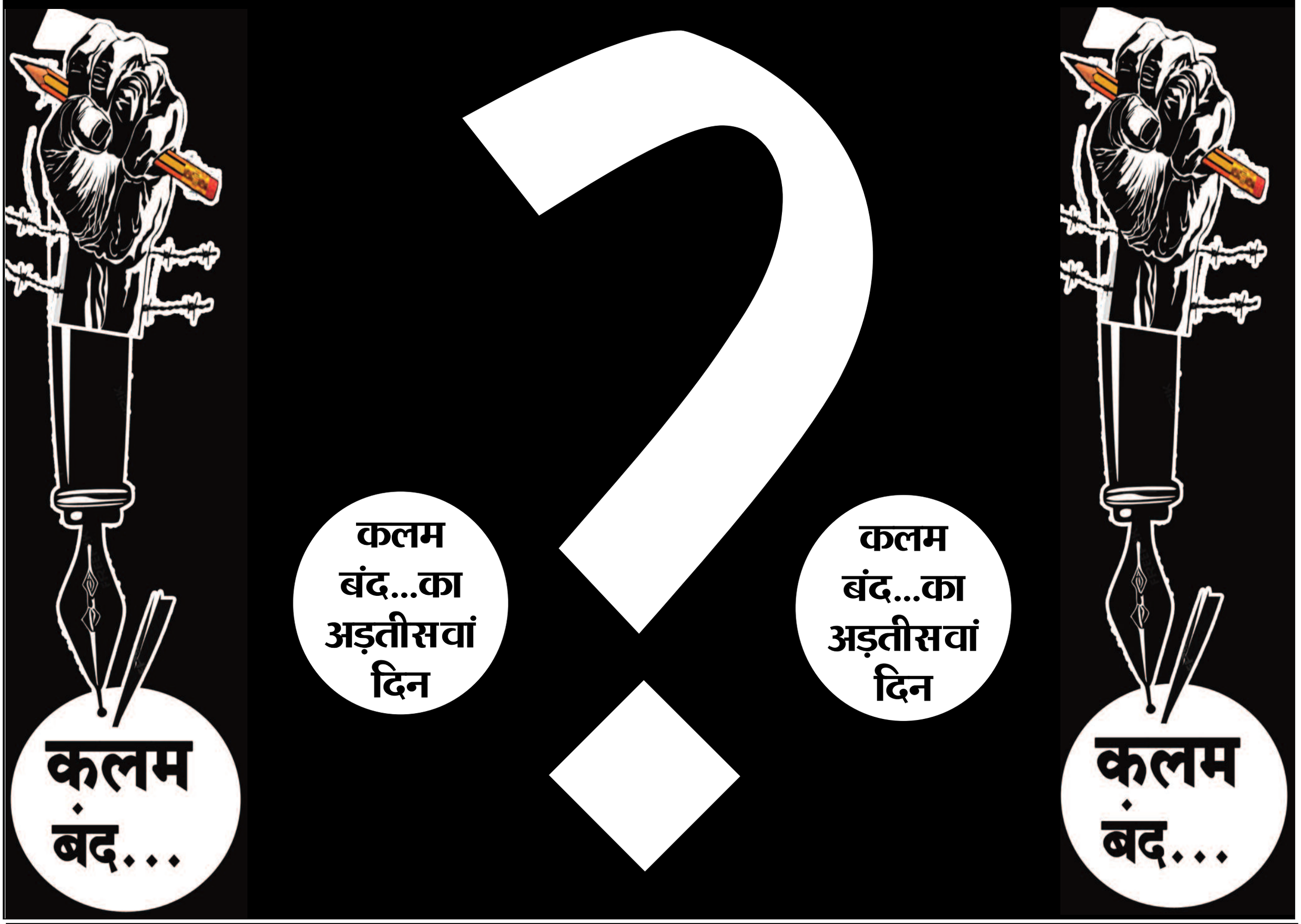

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 06 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

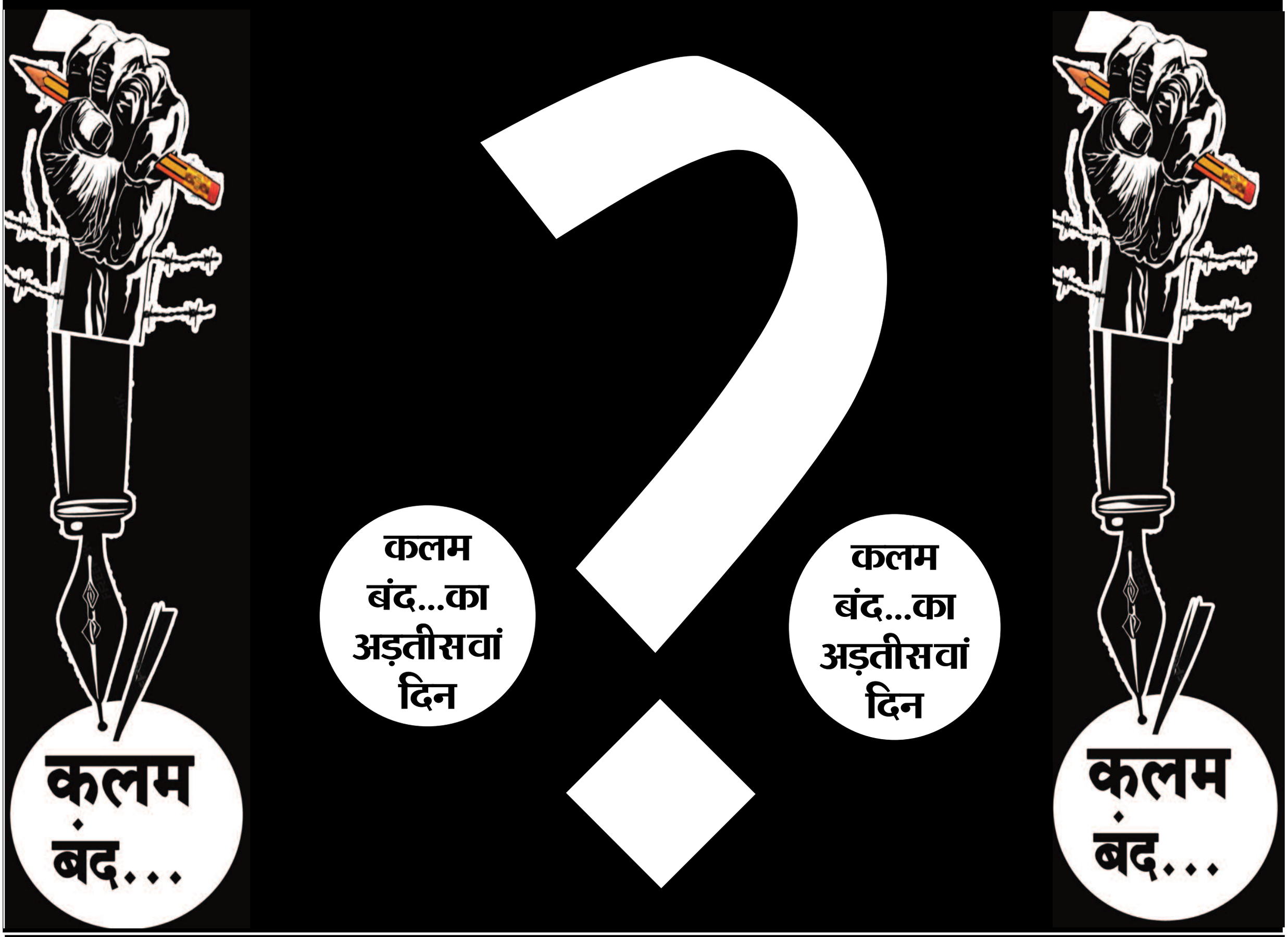

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

अब गोल्ड मेडल के लिए 8 अगस्त को होगा मुकाबला

पेरिस,06 अगस्त 2024। भारत के सुपरस्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने आज कमाल कर दिया। जैवलिन थ्रो के क्वालीफाइंग राउंड में नीरज ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए अपनी सीट सुरक्षित कर ली। जहां ओर नीरज चोपड़ा के फाइनल में जाने का जश्न मनाया गया, वहीं हमारे दूसरे एथलीट किशोर जेना अगले राउंड में जाने से चूक गए। अब सवाल ये है कि नीरज चोपड़ा फाइनल में कब फिर से मैदान में उतरेंगे और उनका मुकाबला कितने बजे से होगा, ये हम आपको बताएंगे।

नीरज चोपड़ा ने पहली ही बार में 89.34 मीटर का किया थ्रो

ओलंपिक 2020 के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने ग्रूप बी क्वालीफिकेशन के पहले प्रयास में ही 89.34 मीटर की शानदार थ्रो के साथ पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में अपनी सीट पक्की कर ली। नीरज ने अपने पहले थ्रो में 84 मीटर के स्वचालित क्वालीफिकेशन मार्क को बड़े अंतर से पार करके अपने खिताब की बचाने की शानदार शुरुआत की है। यह इस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी था और सभी ग्रूप में फाइनल के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले खिलाड़ियों में सबसे बड़ा थ्रो भी रहा। नीरज मौजूदा विश्व और एशियाई खेलों के चैंपियन नीरज अभी तक स्वीडन में 30 जून, 2022 को स्टॉकहोम डायमंड लीग में हासिल किए गए 89.94 मीटर के करियर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो को पार नहीं कर पाए हैं।

किशोर जेना के हाथ लगी निराशा

ग्रुप ए में भारत के किशोर कुमार जेना हालांकि, अपने पहले प्रयास में 80.73 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के बाद फाइनल में पहुंचने में असफल रहे। तीसरे प्रयास में उन्होंने 80.21 मीटर थ्रो करने से पहले दूसरा थ्रो फाउल किया। ग्रूप बी में ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और पाकिस्तान के अरशद नदीम भी 84 मीटर के निशान से ऊपर थ्रो करके फाइनल में पहुंचे। दोनों एथलीटों ने अपने शुरुआती प्रयासों में यह उपलब्धि हासिल की। पीटर्स ने 88.63 मीटर थ्रो किया, जबकि नदीम का प्रयास 86.59 मीटर थ्रो के साथ ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा, इस प्रकार चोपड़ा से पीछे रहा।

जैवलिन थ्रो में जिन 12 एथलीट ने फाइनल के लिए अपनी जगह पक्की की है, उनके बीच अब फाइनल होगा। ये मुकाबला 8 अगस्त को होगा। यानी नीरज और बाकी एथलीट के पास अपनी तैयारियों को और भी पुख्ता करने का काफी समय होगा। भारतीय समय अनुसार रात करीब 11 बजकर 50 मिनट पर नीरज चोपड़ा एक बार फिर से मैदान में नजर आएंगे। इस बात की पूरी संभावना है कि नीरज एक बार फिर से गोल्ड लेकर आएंगे और वे लगातार दो बार भारत के लिए गोल्ड जीतने वाले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। अभी तक भारत ने बैक टू बैक केवल टीम इवेंट में ही गोल्ड जीता है, लेकिन इस बार व्यक्तिगत स्पर्धा में भी ऐसा होता हुआ नजर आ सकता है।

देश के लिए इंग्लिश बल्लेबाज जोस बटलर ने छोड़ा ये बड़ा टूर्नामेंट

बर्मिंघम,06 अगस्त 2024। इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जोस बटलर ने आगामी एसए20 टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। बटलर ने इंटरनेशनल मैचों में शिरकत करने के चलते ये बड़ा फैसला किया है। बता दें, बटलर एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हैं. इस फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर बटलर का मैसेज शेयर किया है जिसमें फैंस का आभार जताया गया है। बटलर ने संकेत दिया है कि वह भविष्य में इस टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं। इंग्लैंड की टीम एसए20 टूर्नामेंट के दौरान भारत का दौरा करेगी जहां उसे पांच टी20 और 3 वनडे मैच खेलेगी. इस दौरे का आगाज 22 जनवरी को होगा और 12 फरवरी तक चलेगा. बटलर ने कहा है कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं और चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी में जुटे हैं। बटलर ने फ्रैंचाइजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कहा, ये संदेश पार्ल रॉयल फैंस के लिए है। मुझे दुख है कि इस साल मैं एसए20 में हिस्सा नहीं ले पाउंगा। इंग्लैंड के कुछ मैच हैं, इसलिए मैं अपना पूरा फोकस इन मैचों पर लगाना चाहता हूं। मैं निराश हूं कि इस टूर्नामेंट में इस साल नहीं खेल सकूंगा। मुझे इस टूर्नामेंट में फैंस का काफी प्यार मिला है. खासकर पार्ल रॉयल्स फैंस की ओर से। मैं अपनी टीम को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं भविष्य में वापसी कर सकता हूं।

बटलर का 2023 एसए20 का शानदार सीजन रहा। उन्होंने 11 मैचों में 408 रन ठोके और टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। बटलर के इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत रॉयल एलिमिनेटर के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रहा जहां उसे जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ 9 विकेट से हार मिली. इस बीच बटलर के रिप्लेसमेंट के रुप में पार्ल रॉयल में दिनेश कार्तिक को अपनी टीम में शामिल किया है। दिनेश ने आईपीएल2024 के बाद रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था और अब साउथ अफ्रीका में खेलने का फैसला किया। रॉयल पहले ही कप्तान डेविड मिलर, लुंगी एंगिडी और एंडिले फेहलुकवाओ समेत कई खिलाड़ियों को रिटेन कर चुका है।

अब चीन ने ओलम्पिक में किया टॉप

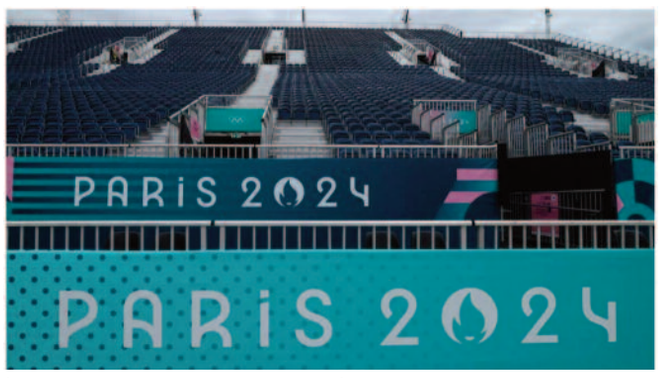

पेरिस,06 अगस्त 2024। पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक में अब 10 दिन पूरे हो गए हैं। यानी अब यहां से केवल करीब 5 दिन और बचे हैं, जब मेडल और बढ़ाए जा सकते हैं। 11 अगस्त को इसका समापन होगा, इस दिन भी कुछ खेल होंगे। इस बीच अगर दस दिन में मेडल टैली की बात करें तो चीन ने अपना दबदबा बना रखा है। हालांकि चीन की लीड बहुत बड़ी तो नहीं है, इसलिए कभी भी कोई दूसरी टीम भी टॉपर बन सकती है। इस बीच भारत ने अब तक तीन मेडल जीते हैं और आने वाले दिनों में कुछ और मेडल आने की संभावना है।

मेडल टैली में इस वक्त चीन पहले नंबर पर, यूएस का दूसरा स्थान

पेरिस ओलंपिक की मेडल टैली की बात करें तो चीन सबसे आगे निकल चुका है। चीन के पास कुल 53 मेडल आ चुके हैं, जिसमें 21 गोल्ड, 18 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। वहीं यूएसए के पास मेडल की संख्या तो काफी है, लेकिन गोल्ड कम हैं। यूएसए ने अब तक 20 गोल्ड, 30 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज समेत 78 मेडल अपने नाम करने में कामयाबी हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया अब थोड़ा पिछड़ता हुआ सा नजर आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 13 गोल्ड, 11 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। यानी उसके पास कुल मेडल 32 हो गए हैं।

भारत के पास तीन मेडल,टैली में 60वें स्थान पर

अब बात अगर भारत की करें तो भारत ने तीन मेडल जीते हैं और ये तीनों ही ब्रॉन्ज हैं। इस वक्त भारत मेडल टैली में 60वें स्थान पर है। लेकिन भारत के खिलाड़ी अभी कुछ और मुकाबलों में क्वालीफाई कर गए हैं। इससे मेडल की संख्या बढ़ने की पूरी संभावना है। भारत के अब तक चार एथलीट ऐसे रहे हैं, जो मेडल जीतने से बाल बाल चूक गए हैं। उन्हें चौथे नंबर पर फिनिश करना पड़ा। इससे साफ है कि अगर ये मेडल भी आ जाते तो मेडल की संख्या कुछ और आगे जा सकती थी। अब भारत का पहला लक्ष्य यही होगा कि पिछले ओलंपिक में जो 7 मेडल जीते थे, उसकी बराबरी की जाए और मौका लगे तो उसे पीछे भी किया जाए।

भारत को अब नीरज चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम से उम्मीदें

अब भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें हॉकी और नीरज चोपड़ा से हैं। भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में जा चुकी है। अगर एक और मैच जर्मनी से जीत लिया गया तो फिर ये तय हो जाएगा कि गोल्ड और सिल्वर में एक मेडल आएगा। नीरज चोपड़ा भारत के गोल्ड जीतने के सबसे बड़े दावेदार हैं। उनके साथ ही किशोर जीना भी जैवलिन थ्रो में हिस्सा ले रहे हैं। इससे अगर ये दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो फिर मेडल की उम्मीदें कुछ और बढ़ जाएंगी। देखना होगा कि आने वाले दिनो में भारत के कितने खिलाड़ी मेडल लाने में कामयाब होते हैं, साथ ही 11 तारीख तक कुल कितने मेडल आते हैं और आखिर में भारत की स्थिति क्या बनती है।

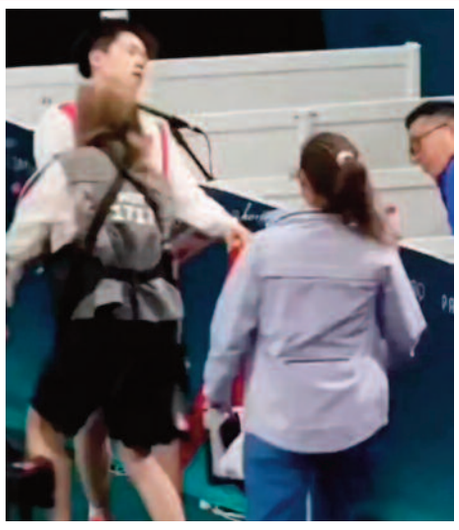

स्वर्ण पदक विजेता वांग से जानबूझकर टकराने पर स्वीडिश महिला पत्रकार पर प्रतिबंध

पेरिस,06 अगस्त 2024। स्वीडन के एक पत्रकार को कथित तौर पर पेरिस ओलंपिक 2024 से प्रतिबंधित कर दिया गया है, क्योंकि उसने खेलों के दौरान जानबूझकर चीनी टेबल टेनिस स्टार वांग चुकिन को टक्कर मारी थी।इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया, जिसमें एक महिला मीडियाकर्मी चुकिन से सीधे टकराती हुई दिखाई दे रही है, जो उस समय एक अन्य पत्रकार को इंटरव्यू दे रहे थे। टकराव के बाद चुकिन पूरी तरह से हैरान रह गए। उल्लेखनीय रूप से, चुकिन को राउंड ऑफ 32 में स्वीडन के टूल्स मोरगार्ड ने टीटी पुरुष एकल से बाहर कर दिया था।चुकिन से जुड़ा यह दूसरा विवाद है, जिनका टीटी पैडल कथित तौर पर पुरुष एकल के पहले दौर में जीत के बाद एक रिपोर्टर द्वारा तोड़ दिया गया था। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी अपना पसंदीदा पैडल खोने के बाद बेहद दुखी थे और अगले दौर में मोरगार्ड ने उन्हें सिंगल्स इवेंट से बाहर कर दिया, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चीनी स्टार पर अपनी दूसरी जीत दर्ज की थी।

टीम इंडिया के सामने बड़ा संकट,कहीं दोहरा ना दिया जाए 1997 का इतिहास

कोलंबो,06 अगस्त 2024। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला अब होने वाला है। टीम इंडिया एक मैच हारकर सीरीज में पीछे चल रही है। अगर अगला मैच गया तो सीरीज भी हाथ से चली जाएगी। हालांकि दोनों मैचों में भारतीय टीम एक वक्त आगे चल रही थी, लेकिन बाद में पिछड़ती चली गई। अब अगला मुकाबला जीतकर सीरीज बचाने की कोशिश की जाएगी। इस बीच आशंका इस बात की भी है कि जो काम साल 1997 के बाद से अब तक नहीं हुआ, कहीं वही इतिहास दोहरा ना दिया जाए।

अब से 27 साल पहले श्रीलंका से वनडे सीरीज हारी थी टीम इंडिया

भारत और श्रीलंका के बीच जब भी वनडे सीरीज हुई है, टीम इंडिया हावी रही है। लेकिन इस बार बाजी पलटती हुई सी दिख रही है। भारतीय क्रिकेट टीम को अगर श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने से बचना है तो उसे तीसरे और अंतिम वनडे में स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा। भारत को श्रीलंका के खिलाफ आखिरी बार वनडे सीरीज में हार का सामना 1997 में करना पड़ा था। अर्जुन रणतुंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम ने तब सचिन तेंदुलकर कप्तानी वाली भारतीय टीम को तीनों मैच में हराया था। भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 वनडे सीरीज हो चुकी है और इन सभी में भारतीय टीम विजयी रही है।

पहले मुकाबले से पीछे हो गई भारतीय टीम

दरअसल भारत का संकट पहले ही मैच के बाद तब से बढ़ गया था, जब एक करीब करीब जीता हुआ मैच टाई हो गया। इसके बाद अगले मैच में वापसी करने की जगह टीम इंडिया 32 रन से वो मैच गवां बैठी और सीरीज में पीछे चली गई। बड़ी बात है कि सीरीज में अब तक दो मुकाबले हो चुके हैं। कप्तान रोहित शर्मा के अलावा दूसरा कोई भी बल्लेबाज उस तरह से बल्लेबाजी नहीं कर सका है, जिसके लिए वे जाने और पहचाने जाते हैं। चाहे वो शुभमन गिल हों या फिर विराट कोहली, वे अपने अंदाज में बल्लेबाजी से चूक रहे हैं। यहां तक तक मिडल आर्डर में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर भी प्रभावित करने में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। विराट कोहली की बात करें तो वे अब तक दो मैचों में केवल 38 रन का ही योगदान दे पाए हैं।

श्रीलंकाई स्पिनर्स से सावधान रहे टीम इंडिया

श्रीलंका की जीत की चाबी उनके स्पिनर्स हैं। जो हारे हुए मैच में वापसी कराने की क्षमता रखते हैं। जैफ्री वांडरसे ने पिछले मुकाबले में जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों को नचाया है, उससे टीम इंडिया को सावधान रहने की जरूरत है। जहां उसी पिच पर श्रीलंका स्पिनर्स कहर बरपा रहे हैं, वहीं भारत के कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल उस तरह की गेंदबाजी अभी तक तो नहीं कर पा रहे हैं। इस बीच टीम इंडिया को पूरे दो दिन का ब्रेक मिला है, संभावना है कि खिलाड़ियों ने इस दौरान तैयारी की होगी और विरोधी टीम के गेंदबाजों का तोड़ निकाला होगा। अब सीरीज किस ओर जाएगी, ये सात अगस्त को ही तय होगा।

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

श्रीलंकाः चरित असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, अकिला धनंजय, मोहम्मद शिराज, महीश थीक्षाना, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा, जेफ्री वांडरसे।

बैडमिंटन के दिग्गज ने अश्विनी पोनप्पा की आलोचना की

पेरिस,06 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का बैडमिंटन अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया, क्योंकि सोमवार को पुरुष एकल स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में लक्ष्य सेन मलेशिया के ली ज़ी जिया से हार गए। इसके बाद, पेरिस में भारत के बैडमिंटन कोच और मेंटर प्रकाश पादुकोण ने ग्रीष्मकालीन खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहने के लिए भारतीय खिलाड़ियों की आलोचना की। लक्ष्य सेन की हार के बाद निराश दिख रहे प्रकाश पादुकोण ने अपनी निराशा को नहीं छिपाया। उन्होंने कल कहा, ÷मुझे निराशा है कि हम बैडमिंटन में एक भी पदक नहीं जीत पाए। इस बार सरकार ने अपना काम किया है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि क छ खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए।÷ इस आलोचना ने भारतीय बैडमिंटन सर्किट में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। अश्विनी पोनप्पा, जिन्होंने हाल ही में पेरिस ओलंपिक की हार के बाद संन्यास की घोषणा की, ने पादुकोण की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इंस्टाग्राम स्टोरी में पोनप्पा ने पादुकोण की आलोचना की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। पोनप्पा ने तर्क दिया कि कोचों को खिलाड़ियों की हार के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, न कि केवल उनकी जीत के लिए।

पाकिस्तान की मीना कुमारी,4 शादियां कीं पर नहीं मिला सच्चा प्यार

मौत आई तो बेटे के अलावा कोई नहीं था साथ

एक ऐसी एक्ट्रेस की दर्दनाक और अनसुनी कहानी बता रहे हैं, जिसे पाकिस्तान की मीना कुमारी कहा जाता था, पर उसके चर्चे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी होते थे। यह थीं शमीम आरा, जिनकी 5 अगस्त को 8वीं डेथ एनिवर्सरी थी। शमीम आरा को जैसी मौत नसीब हुई, और जो दर्द देखे, भगवान वो किसी दुश्मन को भी ना दिखाए। शमीम आरा ने चार-चार शादियां की थीं, पर आखिरी वक्त में किसी का भी साथ नसीब नहीं हुआ। एक बेटा ही था, जिसने अकेले मां का जनाजा निकाला था।

शमीम आरा 22 मार्च 1938 में ब्रिटिश इंडिया के अलीगढ़ में पैदा हुई थीं। उनका असली नाम पुतलीबाई था। एक बार जब वह अपने किसी रिश्तेदार के यहां छुट्टियां मनाने गईं, तो वहां एक पार्टी में शामिल हुई थीं। उसी पार्टी में डायरेक्टर नजम नकवी ने पुतलीबाई को देखा और देखते ही रह गए। उन्हें लगा जैसे पुतलीबाई उनकी नई फिल्म कुंवारी बेवा के लिए एकदम परफेक्ट है।

नजम नकवी ने पुतलीबाई को अपनी फिल्म का ऑफर दिया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। वह तुरंत राजी हो गईं और अलीगढ़ से लाहौर आ गईं। यहां उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि उन दिनों डाकू पुतलीबाई का नाम खूब चर्चित था, इसी वजह से डायरेक्टर्स इस नाम से खुश नहीं थे। तब उन्होंने पुतलीबाई का नाम बदलकर शमीम आरा कर दिया। शमीम आरा की पहली फिल्म कुंवारी बेबा जब रिलीज हुई, तो यह बुरी तरह फ्लॉप हो गई, पर फिर भी उनके पास फिल्मों के ऑफर्स की लाइन लग गई। इसकी वजह थी उनकी खूबसूरती।

शमीम आरा की इसी खूबसूरती पर कई लोग फिदा थे। शमीम आरा ने आने वाले वक्त में कई फिल्में कीं। ज्यादातर फिल्मों में

उनके दुख-दर्द भरे किरदार ही होते और इसीलिए उन्हें असल जिंदगी में ट्रैजिडी क्वीन के नाम से जाना जाने लगा था। उनकी असल जिंदगी भी काफी ट्रैजिडी भरी रही। शमीम आरा ने चार शादियां की थीं, पर एक भी रिश्ता टिका नहीं रहा। शमीम आरा ने पहली शादी बलूचिस्तान के अमीर जमींदार सरदार रिंद से की थी। लेकिन शादी के कुछ ही महीने बाद एक कार एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई।कुछ वक्त बाद शमीम आरा ने अब्दुल मजीद करीम से दूसरी शादी कर ली, जो उस वक्त फिल्म कंपनी अगफा के मालिक के बेटे थे। इससे वह एक बेटे की मां बनीं, लेकिन कुछ समय बाद ही पति से तलाक ले लिया। शमीम आरा ने फिर तीसरी शादी की, लेकिन यह सिर्फ 3 दिन में ही टूट गई। उनकी तीसरी शादी पाकिस्तान के मशहूर डायरेक्टर अहमद के बेटे फरीद अहमद से हुई थी। इस शादी के टूटने से पूरी पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में सनसनी मच गई थी क्योंकि फरीद अहमद भी एक जाने-माने डायरेक्टर थे।

शमीम आरा ने फिर राइटर दबीर-उल- हसन से चौथी शादी की। इस शादी में सबकुछ अच्छा चल रहा था, लेकिन परेशानी तब आई, जब चौथे पति ने उन्हें बेटे के पास भेजने से इनकार कर दिया। दरअसल शमीम आरा का बेटा विदेश में पढ़ रहा था। बेटे को कुछ परेशानी हुई, तो उसने मां शमीम आरा को अपने पास बुलाना चाहा। लेकिन चौथे पति ने इनकार कर दिया और शर्त रख दी कि या तो अपने बेटे को चुनें या फिर पति को। शमीम आरा ने बेटे को चुना और पति के खिलाफ बेटे के पास चली गईं। इसी बात पर चौथे पति ने उनसे रिश्ता खत्म कर लिया। शमीम आरा का बेटा यूके में रहकर पढ़ रहा था। जब शमीम आरा वहां पहुंचीं, तो कुछ ही दिन बाद उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें तुरंत ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बताया कि शमीम आरा को ब्रेन हैमरेज है। चौथे पति को इस बारे में पता चला तो उसने किसी भी तरह की सहायता से इनकार कर दिया। बेटा मां को लेकर लंदन गया और उनके पति से भी मिलने की कोशिश की, पर कोई सफलता नहीं मिली। शमीम आरा की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती चली गई और फिर 5 अगस्त 2016 को उनका निधन हो गया।

न्यायालयः-व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ श्रेणी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
(पीठासीन अधिकारी-डायमंड कुमार गिलहरे)

ईश्तहार

प्रोसेस नम्बर-924/24
प्र0क्र0-30/2024
पेशी तिथि-06/09/2024

हीरामनी साहू पत्नी विजय कुमार साहू,उम्र लगभग-45 वर्ष,पेशा-गृहस्थी,निवासी ग्राम-कल्याणपुर,तहसील देवनगर,हा0मु0-कंचनपुर,तहसील-बैकुंठपुर,जिला कोरिया (छ0ग0)
...आवेदक

1. आशा कुमारी उप पत्नी विजय कुमार साहू, उम्र लगभग-40 वर्ष पेशा-गृहिणी,निवासी ग्राम लखनपुर बाजारपारा तहसील उदयपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)
2. एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर,जिला सूरजपुर (छ0ग0)

...अनावेदक

ईश्तहार

इस ईश्तहार के जरिए अनावेदक व आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पति स्व0 विजय कुमार साहू आ0 रामप्रसाद साहू की मृत्यु दिनांक 06/01/2024 को हो गई है। पति स्व0 विजय कुमार साहू आ0 रामप्रसाद साहू की मृत्यु के पश्चात उसके उत्तराधिकार आवेदक है, जो इस न्यायालय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भा0 उत्तराधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत किए हैं। पति स्व0 विजय कुमार साहू आ0 रामप्रसाद साहू की मृत्यु के पश्चात पति स्व0 विजय कुमार साहू आ0 रामप्रसाद साहू के बैंक में जमा राशि ब्याज सहित प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की आवश्यकता आवेदक को है, आवेदिका के पति स्व0 विजय कुमार साहू आ0 रामप्रसाद साहू निवासी कुम्दा कालरी के क्वाटर नम्बर 98 विश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) की मृत्यु के उपरांत प्रथम उत्तराधिकारी आवेदिका ही है। यदि कोई व्यक्ति दावा या हक रखते हैं, तो कै फियत के साथ पेशी दिनांक 06/09/2024 को दिन के ठीक 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों।

अतः आप बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं,तो आपके विरूद्ध प्रकरण का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जायेगा। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है या कार्य दिवस स्थगित हो जाता है,तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि को किया जायेगा।

आज दिनांक /08/2024 को इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(डायमंड कुमार गिलहरे)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ0ग0)

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्याम लाल आ0 स्व0 गणेश राम उम्र 61 वर्ष जाति पनिका निवासी गुरूद्वारा वार्ड नम्बर-36 महामाया रोड थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-3 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1419/4, 1420/6 रकबा क्रमशः 0.002,0.002 हे0 भूमि को निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण रूपए 11,00,000-00 में अनावेदक मो0 नसीम अंसारी आ0 सलीम निवासी सदर रोड बरेजपारा वार्ड नम्बर-39 अम्बिकापुर के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय,दस्तावेज मेंटनेन्स खसरा,नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/08/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजुल अधिकारी
अम्बिकापुर,

सील

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)